परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका

श्रीमती अनुपमा–रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना–सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

विशेष सहयोगी

श्री शरदजी सराफ, डोंगरगढ़,
श्री रमेशचन्दजी जैन, इटारसी
श्री जय कुमार जैन (जलज), रतलाम
श्री कमल कुमार जैन, श्री भूपेन्द्र जैन ललितपुर
श्री राजेन्द्र कुमार जैन, सीहोर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
सहयोगी सदस्य	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/–
फुल पेज (अंदर)	11000/–
1/2 पेज	5000/–
1/4 पेज	3000/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/–
शोक संदेश फोटो सहित	1000/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

मुनिश्री प्रमाण सागरजी महाराज का विदिशा में हुआ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

सुनील जैन, गंजबासौदा । मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज का विदिशा नगर में हुआ ऐतिहासिक मंगल प्रवेश । पांच किलोमीटर तक ऐतिहासिक जुलूस एवं हजारों की संख्या नगर के विशिष्ट जन, समाजजन, राजनीतिक नेता, सामाजिक संस्थाओं ने बीस साल बाद पधारे मुनिश्री प्रमाण सागरजी महाराज का भावभीना अभिनंदन किया । शहर से पांच किलोमीटर से दूर से ही शुरु हुये जुलूस को समाज के बंधुजन स्थान स्थान पर रांगोली सजाकर अपने अपने घरों पर मंगल आरती कर अपने आपको धन्य मान रहे थे, वहीं जैनेत्तर समाज भी पूज्य मुनिसंघ के दर्शन कर लाभांवित हो रहे हैं । नगर में विराजमान मुनिश्री प्रसादसागर, मुनिश्री उत्तमसागर, मुनिश्री पुराणसागर, मुनिश्री शैलसागर एवं मुनिश्री निकलंक सागरजी महाराज भी अपने ज्येष्ठ मुनिश्री से मिलने को लालायित थे । मुनिसंघ 8 बजे श्री शांतिनाथ जिनालय स्टेशन मंदिर से निकले एवं गुलाब वाटिका पर भव्य मंगल अगवानी कर सभी मुनिराजों ने त्रयवार प्रदक्षिणा कर नमोस्तु किया एवं सप्तऋषिराज नगर के मार्ग से आगे बढ़े । स्थान स्थान पर अभिनंदन गेट और जन समूह मुनिसंघ की प्रतीक्षा कर रहा था और जैसे ही मुनिराज आये उन्होंने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर अपने आपको धन्य माना। इस अवसर पर जिला मुस्लिम समाज ने बड़ा

बाजार चौराहे पर अपनी समाज के साथ मुनिश्री का इस्तकबाल किया वहीं शक्ति हेल्थ क्लब, विदिशा व्यापार महासंघ, पूज्य सिंधी पंचायत, सराफा एसोसिएशन, चेम्बर ऑफ कामर्स, कपड़ा एसोसिएशन, मुनिसेवक संघ, विद्यासागर नवयुवक मंडल, दि. जैन महिला समिति अपनी विशेष पोशाक में पगड़ी के साथ नजर आई तो वही गुरुवर सेवा समिति ने तो पूरे पांच किलोमीटर के एरिया में अपने बैनर लगाये थे एवं भारत भारती महिला मंडल, ब्राह्मी महिला मंडल, अरिहंत विहार महिला मंडल, जैन मिलन ने अपने अपने टेंट और बैनर लगाकर मुनिश्री की मंगल आरती उतारी । अनेको स्थान पर स्थानीय नागरिकों ने मुनिसंघ की मंगल आरती की, शोभायात्रा मुख्य मार्ग से स्टेशन माधवगंज चौराहे पर धर्मसभा के रुप में परिवर्तित हो गयी ।

समसामायिक – दर्पण झूठ ना बोले...

समाज में जो जो घटित होता है वह हमें न्यूज में मीडिया में या फिल्म के माध्यम से देखने को मिलता है इसीलिए कहा गया है कि न्यूज मीडिया व फिल्म समाज का दर्पण हुआ करता है और दर्पण कभी झूठ नहीं बोलता है । गोलालारीय दर्शन समाज का दर्पण है और समाज में होने वाली गतिविधियां व प्रतिक्रिया को समय समय पर दर्शाता है अभी दिसम्बर माह में गोलालारीय दर्शन का विवाह विशेषांक बहुत ही अच्छा तरीके से प्रकाशित हुआ जिसके लिये गोलालारीय दर्शन टीम को बहुत बहुत धन्यवाद । आजकल शादी विवाह संबंध करना परेशानी बन गये हैं आज से 30 वर्ष पूर्व समाज के लोग कहते थे कि कोई अच्छा सा लड़का बताएं लेकिन आज लड़के वाले को कहना पड़ता है कि कोई अच्छी सी लड़की बताएं। समाज में इतना परिवर्तन क्यों इसके पीछे कारण हैं पुराने समय में लड़की के मां–बाप लड़के को देखकर संबंध कर दिया करते थे लेकिन अभी कुछ वर्षों से लड़कियां लड़कों की अपेक्षा ज्यादा पढ़ाई कर रही हैं, अच्छी नौकरी कर रही है और लड़कों से ज्यादा कमा रही है ऐसी परिस्थिति में लड़कियां की योग्यता के अनुसार वर मिलना थोड़ा मुश्किल हो रहा है । जब लड़के और लड़कियां मां बाप से ज्यादा पढ़े लिखे, होशियार और ज्यादा कमाने वाले हो जाते हैं तो उनके निर्णय वह स्वयं भी लेने लगते हैं यही कारण है कि बहुत से लड़के और लड़कियां अपनी योग्यता के अनुसार अपने साथ काम कर रहे साथी के साथ संबंध करना पसंद करती हैं और उन्हें ही अपना जीवनसाथी बना लेती है यह सत्य है, इसे नकारा नहीं जा सकता ।

शादी संबंध के मामले में कुछ परेशानी समाज के सदस्यों के व्यवहार की भी होती है यह मानव स्वभाव है कि हर मनुष्य अपने आप को किसी दूसरे से ज्यादा श्रेष्ठ, योग्य और होशियार समझता है दूसरे को जब तक आप बराबरी या उसको समझने की कोशिश नहीं करेंगे तब तक समाज में संबंध करने में परेशानियां आती रहेगी क्योंकि संबंध हमेशा बराबरी वालों में ही हुआ करते है । संबंध के मामले में ज्यादातर पढ़े लिखे लड़के और लड़कियों की आकांक्षा रहती है कि उनके बराबरी का पढ़ा लिखा बराबरी का कमाने वाला व स्वस्थ, सुंदर दिखने वाला जीवनसाथी हो और यह जरुरी नहीं कि सभी गुण एक व्यक्ति में मिल जाये । अत: संबंध के मामले में योग्यता को प्राथमिकता देवें बाकि दूसरी चीजों को इग्नोर करें कई बार बहुत प्रयास करने के बाद भी जैन समाज में संबंध करना मुश्किल होता है ऐसी परिस्थिति में समाज के लोग दूसरे समाज के लड़के लड़कियों से संबंध करने को मजबूर होते हैं । संबंध दो परिवारों का मिलन है और इस मिलन के अंदर झूठ बिल्कुल भी नहीं चलता है यदि आप संबंध के पूर्व कोई झूठ बोलते हैं और वह दूसरे पक्ष को बाद में मालूम पड़ता है तो बात खराब होती है और संबंध नहीं हो पाता है । अत: किसी भी बात को छुपाये नहीं व हृदय से सच को कबूल करें ।

यदि आपके पारिवारिक संबंध अच्छे होंगे तो आप एक अच्छा संबंध ढूंढने में सफल होंगे । कभी कभी छोटी छोटी सी बातें भी संबंध में रुकावट पैदा कर देती है। जैसे – बहुत से उम्मीदवारों के बायोडाटा में इनकम का स्पष्ट ना लिखा होना, घर का मकान है या नहीं स्पष्ट नहीं होना, गोत्र या समाज का स्पष्ट उल्लेख नहीं होगा । रंगीन चित्र बहुत पुराना होना । कच्चे कान का होना, किसी दूसरे के बहकावे में आ जाना आदि बहुत सी छोटी छोटी बातें हैं जो संबंध करने के लिए मायने रखती है ।

यदि शादी संबंध के बारे में आपको कोई मदद कर रहा है तो उसे स्पष्ट समय पर जवाब देवें । संबंध के पूर्व आप अपनी प्राथमिकता तय करें क्योंकि दुनिया में अभी तक भगवान ने ऐसा कोई लड़का या लड़की नहीं बनाई जिसमें सभी तरह के गुण मिल जावे इसलिए सबसे पहले उनके गुणों की प्राथमिकता को तय कर लेवें की आप क्या चाहते हैं ।

आप कुंडली मिलान के पक्षधर हैं या नहीं बायोडाटा में स्पष्ट करें तो आपको और सामने वाले को काफी सुविधा होगी । शादी संबंध बहुत ही निजी मंगल कार्य है इसमें जरुरी नहीं कि आप बहुत अधिक लोगों को बुलाएं या बहुत अधिक खर्च करें । आप सादगीपूर्वक कम लोगों के साथ कम व्यंजनों के साथ अच्छे से विवाह कर सकते है जिससे समाज की सेहत सुधरेगी । ज्यादातर लोग देखादेखी में अत्यधिक खर्च करते है या कर्ज लेकर शादी करते है और 2–3 साल तक कर्ज चुकाया करते है ।अत: समृद्ध परिवार, समृद्ध समाज व सशक्त राष्ट्र के निर्माता आप है । – राजेश जैन, सुखलिया

बुन्देलखंड में बना देश का पहला रजत मंदिर

अजय जैन, मढ़िया । बुंदेलखंड में बनेगा देश का पहला रजत मंदिर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ बंधाजी में शुक्ल चतुर्दशी के दिन बुंदेलखंड में एक नया इतिहास लिखा गया । बंधाजी में विश्व के प्रथम रजत मंदिर का शिलान्यास समारोह हजारों लोगों के बीच निर्वापक मुनिश्री समयसागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में और दुर्लभमति माताजी के सान्निध्य में संपन्न हुआ । प्रात: अजीतनाथ भगवान का अभिषेक पश्चात नित्य पूजा संपन्न हुई। दोपहर 2 बजे शिलान्यास की क्रियाएं पूर्ण होने के समय समयसागरजी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि शिष्य ने गुरु से प्रार्थना की कि मैं अपार संसार में डूब रहा हूँ व्यक्ति पंचइंद्रीय विषयों में शरण ढूंढ रहा है महाराजजी ने कहा कि आपने दीपक जलाया है दीपक जल रहा है क्या? दीपक तो जल रहा है लेकिन महाराजजी ने कहा मैं कहूंगा कि दीपक बुझ रहा है आप जी नहीं रहे हैं आप मरण को धीरे धीरे प्राप्त हो रहे हैं, सरोवर में तरंगे उत्पन्न होती हैं प्रतिकूल मिटती जाती भी है आपका जन्म हुआ है मरण भी निश्चित है । सूर्योदय हुआ है तो सूर्यास्त भी होगा । संसार में कोई वस्तु अमिट है तो वह भगवान के श्री चरण कमल है । समयसागरजी महाराज ने कहा कि मेरा यहां प्रथम बार आना हुआ है । कुंडलपुर में चातुर्मास संपन्न होने पर गुरुजी के आशीर्वाद से बंधाजी के लिए विहार हुआ है । गुरुजी ने जो आशीर्वाद दिया था आज वह मंगलाचरण के रुप में पूर्ण हो रहा है । आप लोगों का जीवन,मन आपका उद्देश्य बंधाजी से बंध जाना चाहिए तभी मंदिर निर्माण सही समय पर हो पायेगा। इस अवसर पर आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर योगदान दिया ।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा फार्म – 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2020 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)